संज्ञा

व्यक्तिवाचक, जातिवाचक एवं भाववाचक संज्ञा

संज्ञा

संसारे व्यक्तेः जातीनां, वस्तूनां, स्थानानां, भावानां च नामानि संज्ञा भवन्ति।

अर्थात, किसी व्यक्ति, वस्तु स्थान या भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं।

यथा -	महात्मा गाँधी	मेघाः
	छात्रः	सौन्दर्यम्

संज्ञा के भेद

संज्ञा के तीन भेद किए गए हैं:

1. व्यक्तिवाचक संज्ञा

2. जातिवाचक संज्ञा

3. भाववाचक संज्ञा

व्यक्तिवाचक संज्ञा

किसी व्यक्ति, वस्तु या स्थान का नाम व्यक्तिवाचक संज्ञा कहलाता है।

जैसे: राम: गच्छति।

स: अयोध्याया: आगच्छति।

महेन्द्र सिंह धोनी भारतक्रिकेटटीमस्य कप्तान: अस्ति।

आप देख सकते हैं, यहाँ राम:, अयोध्याया:, महेन्द्र सिंह धोनी व्यक्ति एवं स्थान के नाम हैं। इसलिए, यह व्यक्तिवाचक संज्ञा कहलाएंगे।

जातिवाचक संज्ञा

जिन संज्ञा पदों से आपको संपूर्ण जाति का पता चलता हो, उन्हें जातिवाचक संज्ञा कहते हैं।

यथा: बालिका: गीतं गायन्ति।

यहाँ बालिका: से समस्त लड़कियों का पता चलता है। इसलिए यह पद जातिवाचक संज्ञा है।

निम्न उदाहरणों में भी आप जातिवाचक संज्ञा का प्रयोग देख सकते हैं।

पुस्तकालये पुस्तकानि सन्ति।

छात्रा: विद्यालयं गच्छन्ति।

उद्याने पुष्पानि सन्ति।

अहं कलमेन लिखामि।

यहाँ **पुस्तकानि, छात्रा:, पुष्पानि, कलमेन** सभी जातिवाचक संज्ञा हैं।

भाववाचक संज्ञा

जिन संज्ञा पदों से पदार्थों या प्राणियों की मनोदशा एवं उनकी अवस्थाओं का पता चलता है, भाववाचक संज्ञा कहलाते हैं।

जैसे: सीता: सौन्दर्यं रामम् आकृष्टं करोति।

हिमालयस्य विशालता सर्वें जना: मोह्यते।

उपरोक्त उदाहरणों में आप देख सकते हैं कि **सौन्दर्यम्** तथा **विशालता** पद कर्ता के भाव को प्रकट कर रहे हैं। अत: ये भाववाचक संज्ञा हैं।